



देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 05

अंक - 65

जौनपुर, बुधवार, 21 अक्टूबर 2026

सान्ध्य दैनिक (संस्करण)

पेज - 4

मूल्य - 2 रुपये

संक्षिप्त खबरें

सरकार का जनदेश
भाजपा को मिला,
आरएसएस सत्ता चला रहा
है - जयप्रकाश सिंह

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस नेता जय प्रकाश सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला। इसके अलावा, उन्होंने सरकार को घेरते हुए सवाल उठाया कि छात्रों पर पैलेट गन, आंसू गैस, वॉटर कैनन और लाठीचार्ज के इस्तेमाल पर मोहन भागवत क्यों चुप हैं और राहुल गांधी को सदन में बोलने क्यों नहीं दिया जाता? उन्होंने कहा, मोहन भागवत क्या कहते हैं, यह सारा देश जानता है कि आज के समय में इस देश में आरएसएस की क्या भूमिका है। सरकार को पूरी तरह आरएसएस के लोग चला रहे हैं। जनता ने जनदेश भाजपा को दिया है, लेकिन सरकार का संचालन आरएसएस कर रहा है। आज उसी की वजह से आप यह देखिए कि लोकतंत्र में मोहन भागवत एक संस्था चला रहे हैं, लेकिन देश को चला कौन रहा है? उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जो वादे जनता से किए थे, उस पर मोहन भागवत क्यों नहीं बोलते? लोकतंत्र में छात्रों के साथ कैसा व्यवहार किया गया। क्या यही आरएसएस और भाजपा का आदर्श है? क्या इस देश में आरएसएस और भाजपा का यही आचरण रहेगा कि नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को सदन में बोलने नहीं दिया जाए? कांग्रेस सांसद ने कहा कि जब छात्र-छात्राओं पर पैलेट गन का इस्तेमाल किया गया हो, आंसू गैस के गोले छोड़े गए हों, वाटर कैनन का उपयोग किया गया।

पिनाराई विजयन को सुप्रीम कोर्ट से राहत, एक हफ्ते तक जांच पर रोक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन को कथित सीएमआरएल- एक्सालोजिक मामले में सुप्रीम कोर्ट से अंतिम राहत मिली है। बुधवार को शीर्ष अदालत ने उनके खिलाफ दर्ज मामले की जांच पर एक सप्ताह के लिए रोक लगा दी। साथ ही, केरल हाईकोर्ट को निर्देश दिया कि वह एफआईआर दर्ज करने के एकल न्यायाधीश के आदेश के खिलाफ विजयन की अपील पर सुनवाई करे। अदालत ने स्पष्ट किया कि फिलहाल एफआईआर रद्द नहीं होगी, लेकिन अपील पर विचार होने तक जांच आगे नहीं बढ़ाई जाएगी। जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस वी. मोहना की पीठ पिनाराई विजयन, उनकी बेटी वीणा विजयन और उनके पति मोहम्मद रियास की याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाओं में हाईकोर्ट के उस आदेश को चुनौती दी गई है, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय (न्यू) की ओर से साझा की गई जानकारी के आधार पर एफआईआर दर्ज करने का निर्देश दिया गया था। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने सवाल उठाया कि जब राज्य सरकार मामले की प्रारंभिक जांच के लिए विशेष जांच दल (एस) गठित कर चुकी थी, तो संबंधित पक्ष का पक्ष सुने बिना एफआईआर दर्ज करने का निर्देश देने की जल्दबाजी क्यों की गई।

सच्चा व्यक्ति बलिदानी महापुरुषों के प्रति किए गए उपकार को कभी नहीं भूलते - पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बलिदानी महापुरुषों के प्रति किए गए उपकार को कभी नहीं भूलने का संदेश देते हुए सुभाषित साझा किया है। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से एक्स पर संस्कृत श्लोक प्रथमवयसि पीतं शिरसि निहितभारा नारिकेला नराणाम्। ददति जलमनल्पा स्वादमाजीवितान्तं न हि कृतमुपकारं साधवो विस्मरन्तिष् साझा किया गया है। इस श्लोक का अर्थ है कि जिस प्रकार नारियल का कूड़ा अपने प्रारंभिक अवस्था में प्राप्त थोड़े से जल के उपकार को जीवनभर स्मरण रखता है और अपने सिर पर भार सहते हुए भी मनुष्यों को मधुर जल प्रदान करता रहता है,



उसी प्रकार सच्चे उदात्त व्यक्ति-विशेषतः बलिदानी महापुरुषों के प्रति किए गए उपकार को कभी नहीं भूलते। वे उनके त्याग, तप और समर्पण के प्रति गहन कृतज्ञता रखते हुए अपने जीवन को उनके आदर्शों के अनुरूप समर्पित कर उस उपकार के

प्रति सदा कृतज्ञ रहा करते हैं। यह श्लोक हमें कृतज्ञता का महान गुण सिखाता है कि किसी भी व्यक्ति द्वारा किसी भी समय किए गए किसी भी नेक कार्य को स्नेहपूर्वक याद रखें, कृ हुए अपने जीवन को उनके आदर्शों के अनुरूप समर्पित कर उस उपकार के

यूपी चुनाव से पहले शिक्षामित्रों पर सपा का दांव, अखिलेश यादव ने कर दिया बड़ा ऐलान

लखनऊ, (संवाददाता)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में वर्ष 2027 में प्रस्तावित विधानसभा चुनाव से पहले बड़ा दांव खेला है। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री ने शिक्षामित्रों के लेकर बड़ा ऐलान किया है। कन्नौज सांसद ने राजधानी लखनऊ में पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि



हम शिक्षामित्रों को सरकारी नौकरी देंगे। रामपाल कन्नौजिया की तेरहवीं में शामिल होने आए अखिलेश ने कहा-ये शिक्षामित्र वाली आधी अधूरी योजना भी भारतीय जनता पार्टी ने शुरू की थी, हम उन्हें पूरा शिक्षक बनाकर सरकारी नौकरी देंगे इससे पहले समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने भारतीय जनता पार्टी पर गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि बीजेपी बेईमानी के बिना चुनाव नहीं जीत सकती। बीजेपी धांधली के बिना चुनाव नहीं जीत सकती। बीजेपी हेरफेर के बिना चुनाव नहीं जीत सकती। सरकार ने जिस तरह से अधिकारियों, खासकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों को जिम्मेदारियां सौंपी हैं, और जिस तरह से उनका इस्तेमाल लोगों को डराने-धमकाने और बेईमानी करने के लिए किया जा रहा है, वह चिंताजनक है। पूरे राज्य में, जहां भी चुनाव होने हैं।

कोयंबटूर बम धमाकों के दोषियों के पेट्रोल पर भाजपा ने विजय सरकार को घेरा

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्यमंत्री विजय के नेतृत्व वाली तमिलनाडु सरकार ने 1998 के कोयंबटूर सिलसिलेवार बम धमाकों के दोषी अल-उम्मा आतंकवादियों को दी गई 60 दिनों की पैरोल की अनुमति दी है। विजय सरकार के इस फैसला का तमिलनाडु बीजेपी के प्रदेश उपाध्यक्ष नारायणन तिरुपति ने कड़ा ऐतराज जताया है। तिरुपति ने जोर देकर कहा कि 58 पीछितों के न्याय और जनता की सुरक्षा से राजनीतिक नफे-नुकसान के लिए समझौता नहीं किया जा सकता, इसलिए दोषियों को अपनी पूरी सजा भुगतनी ही होगी। भाजपा ने इसे दोषी आतंकवादियों के प्रति चुनिंदा नरमी करार दिया और कहा



कि यह उन लोगों का अपमान है जिनकी जान गई, और उन लोगों के साथ धोखा है जो इस घटना में बच गए। उश्रत ने इस फैसले को वापस लेने की मांग की है। हालांकि, अधिकांशों ने पैरोल के लिए निजी कारणों और स्वास्थ्य स्थितियों का हवाला दिया है, साथ ही यह भी कहा कि ये दोषी

पहले ही 25-30 साल जेल में बिता चुके हैं। उश्रत का तर्क है कि ये कारण न तो पर्याप्त हैं और न ही अपराध की गंभीरता के हिसाब से उचित हैं। दरअसल, तमिलनाडु सरकार ने जिन मोहम्मद अंसारी, मोहम्मद अली, और स्वास्थ्य स्थितियों का हवाला दिया है, साथ ही यह भी कहा कि ये दोषी

परिसीमन और महिला आरक्षण पर सियासी घमासान, किरेन रिजिजू का कांग्रेस पर बड़ा आरोप

नई दिल्ली, (एजेंसी)। देश में परिसीमन और महिला आरक्षण के मुद्दे पर राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर सरकार के साथ बातचीत से दूरी बनाने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस परिसीमन और महिला आरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा के लिए आगे नहीं आ रही है और ऐसा करके वह खुद को ही धोखा दे रही है। रिजिजू के अनुसार, केंद्र सरकार ने कांग्रेस को कई बार बातचीत के लिए आमंत्रित किया, लेकिन पार्टी ने चर्चा में हिस्सा नहीं लिया। उन्होंने दावा किया कि अन्य विपक्षी दलों ने सरकार के साथ बातचीत की है और इन मुद्दों पर अपनी चिंताएं भी सामने रखी हैं। हालांकि, कांग्रेस की ओर से इन आरोपों पर क्या प्रतिक्रिया दी गई है, इसकी जानकारी उपलब्ध नहीं है। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने



परिसीमन और महिला आरक्षण को लेकर कांग्रेस के रुख पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार के साथ संवाद करने के लिए तैयार नहीं है। रिजिजू का कहना है कि इन महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा जरूरी है, लेकिन कांग्रेस बातचीत की प्रक्रिया में शामिल नहीं हो रही है। उन्होंने दावा किया कि सरकार ने कई बार कांग्रेस को बातचीत के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने संकेत दिया कि चर्चा से दूरी बनाए रखने के बजाय कांग्रेस को अपनी चिंताओं और सुझावों को सरकार के सामने रखना चाहिए। हालांकि, कांग्रेस ने बातचीत में हिस्सा क्यों नहीं लिया, इस संबंध में उसका पक्ष उपलब्ध जानकारी में सामने नहीं आया है। सरकार ने कई बार दिया बातचीत का न्योता केंद्रीय मंत्री ने दावा किया कि सरकार ने कांग्रेस को चर्चा के लिए कई अवसर दिए।

विचार मात्र ही मन को कोमल और विस्तृत बना देता है। यह वास्तव में एक नेक हृदय का संकेत है। एक नेक व्यक्ति अपने प्रति किए गए किसी भी प्रोपकारी कार्य को कभी नहीं भूलता। इस श्लोक का पाठ करने से हृदय मर्मस्पर्शी हो जाता है और कृतज्ञता का भाव उत्पन्न होता है। प्रधानमंत्री की ओर से साझा किया गया संस्कृत का एक प्रसिद्ध सुभाषित है जो रघुभाषितरत्नभाण्डागारम् ग्रंथ से लिया गया है। यह ग्रन्थ मुख्य रूप से 6 से 7 प्रकरणों (अध्यायों) में विभाजित है। इनमें मङ्गलाचरण, सामान्य प्रकरण, राज प्रकरण, चित्र प्रकरण, अन्योक्ति प्रकरण और नवरस प्रकरण शामिल हैं। सप्तम प्रकरण संकीर्णकश्है।

देश में सरकार बदलनी है तो चुनाव से बदलो, बांग्लादेश जैसी घेराबंदी नहीं चलेगी - सीएम सुवेंदु अधिकारी

कोलकाता, (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति को सामान्य करार देते हुए मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा कि कुछ स्थानों पर डॉक्टरों की कमी के बावजूद पूरे इफ्रास्ट्रक्चर और मैनपावर के सहयोग से ट्रॉमा, इमरजेंसी, एडमिशन और एंबुलेंस सेवाएं निर्बाध रूप से संचालित हो रही हैं। लोकतंत्र पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि भारत में सरकार बदलनी है तो चुनाव के माध्यम से बदलनी चाहिए, यह बांग्लादेश नहीं है, जहां घेराबंदी कर सत्ता परिवर्तन हो जाए, देश प्रगति के पथ पर है और सभी को देशहित में एकजुट होना चाहिए। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने कहा,

प्रदेश में इस समय पिछले अनुभवों के आधार पर कुछ खराब अनुभव

हैं, इमरजेंसी चालू है, एडमिशन हो रहा है। अच्छा हो रहा है। जितना भी



रहे हैं। इस समय डॉक्टर लोग नहीं रहते हैं, इसलिए हम लोग स्थिति पर नजर रख रहे हैं। आप खुद भी देख सकते हैं, सब अच्छा है। कहीं भी कोई रियूज नहीं है। ट्रॉमा चालू

हमारा इफ्रास्ट्रक्चर है, जितनी भी मैनपावर है, सबके सहयोग से काम कर रहे हैं। अच्छा कर रहे हैं, हम खुश हैं। उन्होंने कहा कि हम लोगों को दुर्गा पूजा तक इसकी क्लोज

7 राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और 3 महासचिव नियुक्त मैथिली ठाकुर को मिली बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भाजपा ने मंगलवार को पार्टी के युवा मोर्चा के लिए राष्ट्रीय पदाधिकारियों की घोषणा की। इसमें सात युवा नेताओं को राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और तीन अन्य नेताओं को राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया गया है। भाजपा युवा मोर्चा के अध्यक्ष और वडोदरा के सांसद हेमांग जोशी ने पार्टी की युवा शाखा के लिए नवनियुक्त पदाधिकारियों के नामों की घोषणा की। उन्होंने एक बयान में कहा कि भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन के निर्देशानुसार निम्नलिखित सदस्यों को भाजपा युवा मोर्चा का राष्ट्रीय पदाधिकारी नियुक्त किया जा रहा है।

अयोध्या कैंट स्टेशन पर 76 सीसीटीवी कैमरे बंद होने से सुरक्षा व्यवस्था पर उठ रहे सवाल जीआरपी व आरपीएफ के मुताबिक लगातार मुख्यालय को भेजा जा रहा पत्राचार

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता) अयोध्या। अयोध्या कैंट रेलवे स्टेशन पर सुरक्षा के लिए लगाए गए लगभग 76 सीसीटीवी कैमरे बंद पड़े हैं। स्थिति यह है कि स्टेशन परिसर और प्लेटफॉर्म पर लगे कैमरों से न तो गतिविधियों की रिकॉर्डिंग हो रही है और न ही लाइव हो रही है। वहीं गुरुवार को एक लड़की के लापता होने के बाद आये परिजनों द्वारा सीसीटीवी फुटेज मांगे जाने पर इस गंभीर लापरवाही का खुलासा हुआ। जीआरपी व आरपीएफ अधिकारियों के मुताबिक कैमरे बंद होने के कारण परिजनों को फुटेज नहीं मिल सकी। वहीं देखा जाये तो करीब 15 दिन पहले ही एडीआरएम ने स्टेशन का निरीक्षण कर संबंधित टेलीकॉम विभाग को सभी कैमरे



दुरुस्त कराकर चालू कराने के सख्त निर्देश दिए थे। उन्होंने दीपोत्सव और दीपावली के दौरान यात्रियों की बढ़ते वाली भीड़ के मद्देनजर सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखने पर विशेष जोर दिया था। इसके बावजूद कैमरों की स्थिति में सुधार नहीं

हुआ। अयोध्या में आने वाले दिनों में दीपोत्सव, दीपावली, भैया दूज जैसे बड़े महोत्सवों के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु और भारी संख्या में रेल यात्रियों पहुंचने की संभावना है। ऐसे में इस रेलवे स्टेशन पर सीसीटीवी निगरानी व्यवस्था का

उप होना सुरक्षा के लिहाज से गंभीर चिंता का विषय है। प्लेटफॉर्म ही नहीं, स्टेशन के बाहरी हिस्से में लगे कैमरे भी काम नहीं कर रहे हैं। जीआरपी तथा आरपीएफ कर्मियों की माने तो किसी घटना के बाद संदिग्ध गतिविधियों की पहचान और जांच के लिए फुटेज नहीं मिलता है। इस संबंध में आरपीएफ इंस्पेक्टर हरीश शाही और जीआरपी कैंट थाना प्रभारी अभिषेक मिश्रा ने बताया कि कैमरों के खराब होने की समस्या को लेकर संबंधित विभाग और मुख्यालय को कई बार पत्राचार किया जा चुका है, लेकिन अब तक समस्या का समाधान नहीं हुआ है। वहीं, टेलीकॉम विभाग के संबंधित कर्मचारी ने फोन पर बताया कि कुछ भी कैमरे बंद है जबकि कुछ कैमरे चालू हैं जिसमें रिकॉर्डिंग हो रही है।

देश की उपासना

संपादकीय

अंकिता भंडारी के लिए इंसाफ की मांग

बेटी बचाने के नारे गढ़ने वाले, लड़कियों के मुंह से अपशब्द सुनकर सांस्कृतिक झटका खाने वाले, नवरात्रि में शक्ति की आराधना के लिए पूरे नौ दिन नर रखने का दावा करने वाले नरेंद्र मोदी ने एक 19 बरस की मासूम लड़की की नृशंस हत्या पर इंसाफ मांगने वाले उसके मां–बाप पर जो जुल्म ढाया है, उसे देश भूलेगा नहीं। सितंबर 2022 में उत्तराखंड के ऋषिकेश के पास वनंतारा रिजॉर्ट में बतौर रिसेप्शनिस्ट काम करने वाली अंकिता भंडारी की हत्या कर दी गई थी। 18 सितंबर को अंकिता लापता हुई और छह दिन बाद 24 सितंबर को उसका शव चिल्ला नहर से बरामद हुआ। पता चला कि रिजॉर्ट के मालिक कुछ खास लोगों की सेवा करने का दबाव अंकिता पर बना रहे थे। साफ शब्दों में कहें तो उसे यौन उत्पीडन के लिए खुद को प्रस्तुत करने कहा जा रहा था। अंकिता ने इससे इंकार किया और अपनी गरीबी को शारीरिक शोषण का जरिया नहीं बनने दिया। लेकिन शक्ति और धन से संपन्न लोगों को यह इंकार पसंद नहीं आया और अंकिता की जान ही ले ली गई। यह सब किसी फिल्मी पटकथा जैसा लगता है। कई फिल्मों में हम ऐसे दृश्य देखते हैं जहां गरीब, मजबूर लड़कियाँ पर खलनायक ऐसे ही जबरदस्ती करता है। फर्क इतना ही है कि फिल्मों में अक्सर सुखात होता है, खलनायकों को उनके किए की सजा मिलती है। मगर देश में मोदी सरकार ने अच्छे दिनों की जो फिल्म चलाई है, उसमें पीड़ितों के हिस्से में सजा और प्रताड़ना देने वालों को इनाम मिलता है।अंकिता भंडारी को इंसाफ दिलाने की लड़ाई 2022 से अनवरत चल रही है। राज्य सरकार ने इसमें एसआईटी गठित की। इसमें तीन मुख्य आरोपियों पुलकित आर्य, अंकित गुप्ता और सौरभ भास्कर को मई 2025 में दोषी ठहराया गया और अब वे जेल में उम्र कै द की सजा काट रहे हैं। लेकिन इस पूरे मामले में भाजपा नेता दुष्यंत गौतम का नाम भी सामने आया, जिन्हें अब मोदी सरकार ने सिविकका का राज्यपाल बनाया है। गौरतलब है कि अंकिता की हत्या के बाद तत्कालीन राष्ट्रीय महामंत्री और उत्तराखंड प्रमारी दुष्यंत कुमार गौतम ने अपने ऊपर लगे आरोपों को खारिज करते हुए एफआईआर दर्ज कराई थी। दर्ज शिकायत के अनुसार, दुष्यंत गौतम ने आरोप लगाया था कि हरिद्वार के ज्वालापुर से पूर्व विधायक सुरेश राठौर और अभिनेत्री उर्मिला सनावर ने अन्य अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उनके खिलाफ सुनियोजित आपराधिक साजिश रची थी। लेकिन अब तक इस मामले की सच्चाई सामने नहीं आई है कि दुष्यंत कुमार सही कह रहे हैं, या उन पर आरोप लगाने वालों ने सच कहा है।

बहुजन हिताय का हो वैश्विक आर्थिक चिंतन

दिनेश
महाशक्तियों की तनातनी में दुनिया के शेयर बाजार ध्वस्त हो रहे हैं, जबकि भारत 7 प्रतिशत आर्थिक विकास दर की राह पर है। इसकी पुष्टि आईएमएफ ने भी की है। भारत इस आर्थिक अनिश्चितता के दौर में अपनी आर्थिक गति इसीलिए बनाए रख सकता है, क्योंकि उसने सबको साथ लेकर चलने का फैसला किया है। अब चाहे दुनिया की सबसे बड़ी शक्ति अमेरिका हो या रूस और चीन, सभी का लक्ष्य प्राकृतिक साधन–संपन्न छोटे देशों के संसाधनों का अनेकित दोहन करना है। छीना–झपटी करके, युद्ध छेड़कर वे उन्हें अपने देश के लिए हथिया लेना चाहते हैं। चाहे ईरान के कच्चे तेल से लेकर संघर्षित यूरेनियम तक के भंडार हों या फिर यूक्रेन के रेयर अर्थ मिनरल्स, अमेरिका हो या रूस, वे सैन्य बल के साथ इन खनिज पदार्थों को अपना बना लेना चाहते हैं। लेकिन तीसरी दुनिया के देशों को भी विकास पथ पर अग्रसर होने का मौका मिलना चाहिए। इस दर्शन पर जोई शक्तिशाली देश विगवास नहीं करता। पिछले दिनों दिल्ली में पहली बार आयोजित ब्लूमबर्ग न्यू इकोनॉमी फोरम के तीन दिवसीय चिंतन–सत्र में प्र ानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आर्थिक चिंतन से प्रगतिशील दुनिया के लिए नए द्वार खोले हैं। वसुधैव कुटुम्बकम् की बात हम हमेशा कहते रहे हैं, लेकिन विकसित देशों की आपसी स्पर्धा और आपाधापी के बीच वे युद्ध, विस्तार और तबाही के आयुधों के साथ दुनिया के संसाधनों पर कब्जा करने में जुटे हैं। ऐसे में भारत और मोदी आर्थिक चिंतन का एक नया पक्ष लेकर इस सम्मेलन में सामने आए हैं। उन्होंने कहा कि भारत जैसे अध्यात्मिक चिंतन वाले देशों ने हमेशा पूरी दुनिया के साथ कदमताल बनाते हुए आगे बढ़ने के प्रयास किए हैं। किसी का निवाला छीनकर, किसी को धक्का देकर नीचे गिराकर आगे नहीं बढ़ना है। एक ओर ट्रंप शांति के नोबेल पुरस्कार पर दावेदारी करते रहे हैं, वहीं दूसरी ओर ऊर्जा के बाजार में एकाधिपत्य जमाने के लिए कमजोर देशों के साथ टैरिफ वॉर छेड़ते हैं। भारत को भी धमकी है कि रूस से कच्चा तेल और गैस खरीदने पर सौ प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। ये देश खाड़ी देशों से आने वाले ऊर्जा भंडार को रोकने के लिए होर्मुज के रास्ते में बैठे हैं और भारी शुल्क उगाहने की धमकियों के साथ नाकाबंदी करने में लगे हैं। लेकिन इस सम्मेलन में आर्थिक विकास के लिए सही दिशा की तलाश की जा रही है। प्रयास है कि आर्थिक अनिश्चितताओं को कम करने के लिए भरपूर प्रयास कैसे किए जाएं। भारत की आवाज है कि यह सबके साथ चलकर होगा, एक–दूसरे को धक्का देकर नहीं। धनी देश अगर अपने टैरिफ लगाकर दूसरे देशों की अर्थव्यवस्था की कमर तोड़ देंगे, तो वे भला आगे कैसे जाएंगे? इसलिए मोदी ने भारत के आर्थिक तंत्र के लक्ष्य की बात की है कि ‘बहुजन हिताय’, अर्थात् सबका हित हो। बहरहाल, महाशक्तियों की तनातनी में दुनिया के शेयर बाजार ध्वस्त हो रहे हैं, जबकि भारत सात प्रतिशत आर्थिक विकास दर की राह पर है। इसकी पुष्टि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी कर दी है। मोदी ने कहा कि हम इस असाधारण वातावरण में, अनिश्चित आपूर्ति के माहौल में अपनी आर्थिक गति इसीलिए बना सके हैं, क्योंकि हमने सबके साथ चलने का फैसला किया है। किसी को गिराकर अपनी उन्नति का कार्य नहीं किया। इसी तरह मोदी ने कहा कि कोविड की महामारी आई, तो हमने सौ देशों को कोविड के टीके बांटे और कोविड की तीसरी लहर की तबाही को टाल दिया। यह हमारा व्यावसायिक दृष्टिकोण नहीं, मानवीय दृष्टिकोण था। हम अगर विश्व को कुटुंब की तरह लेंगे, तो इस कुटुंब में हर परिवारजन दूसरे के हितों की रक्षा करेगा। मोदी का यह कहना बिकुल सही है कि हम डिजिटल तकनीक, मशीन सप्लाई, आर्थिक सुधारों और वैश्विक चुनौतियों से बखूबी निपट रहे हैं। हम सब मिलकर चलें, तो यह बदलती दुनिया में ताकत का नया स्रोत बनेगी। उन्होंने कहा कि इस सम्मेलन में विचार कीजिए कि ज्ञान, धन और शक्ति का महत्व किस बात में है? किस उद्देश्य के लिए उसका इस्तेमाल किया जा रहा है? भले ही इन दिनों वैश्विक परिस्थितियाँ साध नहीं दे रही, तो भी भारत प्रगति के पथ पर बढ़ा जा रहा है। एक तरफ भू–राजनीतिक तनाव है, सप्लाई चेन में बाधा है, रणनीतिक संसाधनों को लेकर बढ़ती प्रतिस्पर्धा है और कुछ देश वैश्विक अस्थिरता का कारण बन रहे हैं। लेकिन भारत इससे अलग अपनी शक्तियों का पूर्ण मूल्यांकन करते हुए किसी से न उलझकर शांति, अहिंसा और सहकारिता के मार्ग पर चल रहा है। इसलिए आज भी उसकी आर्थिक विकास दर दुनिया में सर्वश्रेष्ठ है। आर्थिक चिंतन का यह सम्मेलन सन 1981 से आयोजित किया जा रहा है। भारत में यह पहली बार हुआ है। सम्मेलन में मोदी बोले, इस सहयोग मार्ग पर ही चलते हुए हमने सात प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर्ज की और अपने विदेशी मुद्रा भंडार को समृद्ध किया।

विचार

इसके लिए मोदी-अमित ने पहले से कोई तैयारी कर रखी है



नीरज
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने फ्रांस में हिंसा और लूटपाट की घटनाओं के बाद दृष्ट्य सोशल पर जो टिप्पणी की है, उसने पूरी दुनिया में एक नई बहस छेड़ दी है। ट्रंप ने लिखा, ‘फ्रांस जल रहा है।’ और चेतावनी दी है कि अलग दुनिया से आए लोगों के आग्रजन ने कभी महान रहे देश को संकट में डाल दिया है। उन्होंने फ्रांस से अपनी सीमाएं बंद करने और बहुत देर होने से पहले हालात पर नियंत्रण हासिल करने की अपील की है। ट्रंप की यह टिप्पणी भले ही राजनीतिक रूप से कठोर हो, लेकिन इसके पीछे उठ रहा बुनियादी सवाल बेहद महत्वपूर्ण है कि आखि किसी राष्ट्र की सीमाओं, सुरक्षा और कानून–व्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी है? और जब सरकारें इन चुनौतियों से निपटने में विफल होती हैं, तो उसकी कीमत

कोन चुकाता है? फ्रांस में 17 अक्टूबर को हुए प्रदर्शनों के दौरान जो तस्वीरें सामने आईं, वे किसी भी राष्ट्र के लिए चिंताजनक हैं। महंगाई, शिक्षा व्यवस्था और सार्वजनिक सेवाओं से जुड़ी शिकायतों को लेकर सड़कों पर उतरे हजारों लोगों के बीच हिंसक चेतावनी दी है कि अलग दुनिया से, आए लोगों के आग्रजन ने कभी महान रहे देश को संकट में डाल दिया है। उन्होंने फ्रांस से अपनी सीमाएं बंद करने और बहुत देर होने से पहले हालात पर नियंत्रण हासिल करने की अपील की है। ट्रंप की यह टिप्पणी भले ही राजनीतिक रूप से कठोर और बुनियादी सवाल बेहद महत्वपूर्ण है कि आखि किसी राष्ट्र की सीमाओं, सुरक्षा और कानून–व्यवस्था की जिम्मेदारी किसकी है? और जब सरकारें इन चुनौतियों से निपटने में विफल होती हैं, तो उसकी कीमत

सुप्रीम कोर्ट नहीं बनेगा नेताओं का अरवाड़ा

योगेंद्र
सुप्रीम कोर्ट के बारे में कोई गलतफहमी या अफवाह पहले, इससे पहले ही मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने अप्रत्याशित कदम उठाते हुए पत्रकार वार्ता आयोजित की। सीजेआई ने यह कदम इसलिए उठाया कि नेता कहीं बात का बतंगड़ नहीं बना दे और उसमें सुप्रीम कोर्ट को इसमें नहीं घसीट लें। देश के सुप्रीम कोर्ट ने साफ कर दिया है कि वह राजनीतिक दलों की सत्ता को लेकर चल रही मारामारी के बीच अखाड़ा नहीं बनेगा। सुप्रीम कोर्ट सिर्फ कायदे कानून और संविधान के दायरे में रह कर ही काम करेगा। दरअसल यह संदेश सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस के जरिए तमाम राजनीतिक दलों को दिया, जोकि सुप्रीम कोर्ट के जरिए राजनीतिक फायदा उठाने का प्रयास कर रहे हैं। यही वजह है कि सुप्रीम कोर्ट के बारे में कोई गलतफहमी या अफवाह पहले, इससे पहले ही मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत ने अप्रत्याशित कदम उठाते हुए पत्रकार वार्ता आयोजित की। सीजेआई ने यह कदम इसलिए उठाया कि नेता कहीं बात का बतंगड़ नहीं बना दे और उसमें सुप्रीम कोर्ट को इसमें नहीं घसीट लें। लोकसभा

असहनीय है। मैक्रों ने सुरक्षा बलों के समर्थन में खड़े होते हुए स्पष्ट किया कि जायज मांगों और हिंसा के बीच अंतर किया जाना चाहिए। उन्होंने प्रशासन को सार्वजनिक इमारतों और कारोबारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, जरूरत पड़ने पर कुछ प्रदर्शनों पर प्रतिबंध लगाने तथा हिंसा करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उनका संदेश साफ था कि संवाद का अर्थ कमजोरी और लोकतांत्रिक अधिकारों का अर्थ ढंड से मुक्ति नहीं है। देखा जाये तो एक बुनियादी बात समझने की जरूरत है। लोकतंत्र में विरोध करना अधिकार है, लेकिन हिंसा करके सरकार को झुकाना, सार्वजनिक संपत्ति नष्ट करना और आम नागरिकों के जीवन को संकट में डालना अधिकार नहीं हो सकता। यदि कोई समूह अपनी राजनीतिक या वैचारिक मांगों के लिए कानून को चुनौती देने लगे, तो सरकार का दायित्व है कि वह निर्णायक कार्रवाई करे। सरकार की लोकप्रियता और उसकी नीतियों पर सवाल उठ सकते हैं, लेकिन देश की कानून–व्यवस्था को बंधक नहीं बनाया जा सकता। दूसरी ओर, यूरोप की यह बेचौनी अब केवल फ्रांस तक सीमित नहीं है। इटली में भी 17 और 18 अक्टूबर को महंगाई, कम वेतन और सार्वजनिक सेवाओं की स्थिति के विरोध में प्रदर्शन हुए। मिलान में नकाबपोश प्रदर्शनकारियों ने दुकानों

के शीशे तोड़े, आगजनी की और पुलिस पर पत्थर फेंके। पुलिस को आंसू गैस और पानी की बौछारों का इस्तेमाल करना पड़ा। बोलोन्या, ब्रेसिया, बर्गामो और ट्यूरिन में भी झड़पों की खबरें आईं। प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी ने हिंसा की निंदा करते हुए पुलिस के समर्थन में बयान दिया और स्थिति पर चर्चा के लिए सरकारी बैठक बुलाई। इटली की घटनाएं एक ओर महत्वपूर्ण पहलू सामने लाती हैं। यूरोप में बढ़ती महंगाई, कम वेतन, महंगे आवास और सार्वजनिक सेवाओं की बद्दहली ने लोगों में असंतोष पैदा किया है। इस असंतोष को केवल आग्रजन या किसी एक विचारधारा के खाते में डालना वास्तविक समस्याओं से आखें मूंदना होगा। लेकिन जब जायज शिकायतों के बीच हिंसक समूह घुस आते हैं और विरोध को लूटपाट में बदल देते हैं, तो आम नागरिकों का नुकसान होता है और लोकतांत्रिक आंदोलन की विश्वसनीयता भी खत्म होने लगती है। फ्रांस और इटली दोनों की घटनाओं से यही सबक मिलता है कि सरकारों को जनता की समस्याओं का समाधान भी करना होगा और अराजकता फैलाने वालों के खिलाफ कठोरता भी दिखानी होगी। भारत के लिए इस पूरे घटनाक्रम का सबसे महत्वपूर्ण पहलू अवैध घुसपैठ और राष्ट्रीय सुरक्षा है। बांग्लादेश से अवैध घुसपैठ तथा म्यांमार से आए

रोहिंग्या समुदाय के लोगों की अनधि कृत मौजूदगी लंबे समय से सुरक्षा और प्रशासन से जुड़े सवाल खड़े करती रही है। भारत जैसे विशाल और संवेदनशील सीमाओं वाले देश के लिए यह कोई मामूली विषय नहीं है। सीमा पार से आने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान, नागरिकता और कानूनी स्थिति का सत्यापन होना चाहिए। जहां अवैध प्रवेश प्रमाणित हो, वहां कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। यदि किसी व्यक्ति के खिलाफ अपराध या सुरक्षा संबंधी गतिविधियों के ठोस प्रमाण हों, तो जांच और अभियोजन में कोई ढिलवाई नहीं होनी चाहिए। वैसे ट्रंप आज दुनिया को सीमाओं की सुरक्षा और अवैध घुसपैठ पर सख्ती का जो संदेश दे रहे हैं, उसे भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बहुत पहले ही भांप लिया था। प्र ानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इस चुनौती से निपटने के लिए पहले से ही कदम उठा रहे हैं। मोदी सरकार ने अवैध घुसपैठ और उससे जुड़े जनसांख्यिकीय बदलावों की पड़ताल के लिए उच्चस्तरीय समिति गठित की है, जिसकी अध्यक्षता सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति प्रकाश प्रभाकर नाओलेकर कर रहे हैं। गृह मंत्रालय ने 26 मई 2026 को इस समिति का गठन किया और 14 अक्टूबर को इसका आधि कारिक पोर्टल कमउपहतवील.डी.एच.व. पद शुरू किया गया। इस पोर्टल के माध्यम से केंद्र और राज्य सरकारें,



नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट तक पैदल मार्च निकाला और रिट याचिका दायर की। जिसमें राहुल गांधी, अखिलेश यादव, तेजस्वी यादव समेत 11 विपक्षी नेता याचिकाकर्ता हैं। इसमें चुनाव आयोग और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पाटी बनाया गया है। दरअसल इससे पहले सीजेआई से अकेले ही मुलाकात की मांग करके कांग्रेस ने यह साबित करने की कोशिश की थी, इंडिया गठबंधन का नेतृत्व वही करती है। बाकी सब उसके पीछे हैं, किन्तु सीजेआई द्वारा मिलने से इंकार करने से कांग्रेस को अपने दाव से सफलता नहीं मिल सकी। जब सीजेआई ने मिलने से इंकार कर दिया और कानूनी तरीका अपनाने की सलाह दी, तब गठबंधन के बाकी

कोर्ट, प्रशासनिक स्तर पर सरकार के कामकाज में दखल नहीं दे सकता, हालांकि नेताओं को अपने मौलिक अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायिक पक्ष में अदालत का दरवाजा खटखटाने की छूट है। सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में एक दो बार ही ऐसा हुआ है, जब सुप्रीम कोर्ट की तरफ से मीडिया के जरिए कोई जानकारी दी गई है, वरना तो मीडिया ही सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और सुनवाई की जानकारी देता है। भारतीय सुप्रीम न्यायाधीश सूर्यकांत ने यह मांग यह कहते हुए टुकरा दी, कि यदि सुनवाई चाहते हो तो रिट याचिका दायर करो। सीजेआई ने राहुल गांधी के आधिकारिक ईमेल के जवाब में कहा कि इस तरह की मुलाकात उचित नहीं होगी, क्योंकि जिन मुद्दों पर चर्चा की मांग की गई है, वे पहले से ही सुप्रीम कोर्ट में विचाराधीन हैं। इसी के साथ सीजेआई ने दूरदर्शिता अपनाते हुए अगले ही दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस करके स्थिति स्पष्ट कर दी, ताकि राजनीतिक दल उसकी बातों का गलत मतलब नहीं निकाल पाए और सुप्रीम कोर्ट को राजनीतिक विवाद में नहीं घसीट सकें। सीजेआई सूर्यकांत ने यह भी स्पष्ट किया कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत सुप्रीम

और फैसले आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों अपनी वेबसाइट और सुनवाई के जरिए ही साझा करता है। हाल के दौर में अदालत ने न्यायिक कार्यवाही के लाइव–स्ट्रीमिंग और उसके डिजिटल क्लिप्स के कर्माशियल इस्तेमाल को लेकर भी कड़े नियम तय किए हैं। सीजेआई सूर्यकांत ने मीडिया के सामने स्पष्ट किया था कि प्शुझे कल बैटक है अनुरोध के संबंध में एक पत्र मिला था। मैंने कल रात ही उसका जवाब दे दिया था, जिसमें उन कारणों का उल्लेख किया गया था कि मैं क्यों नहीं मिल पाऊंगा? सीजोई ने आगे कहा, प्शुप्रीम कोर्ट के दरवाजे सभी के लिए खुले हैं। किसी भी आम नागरिक या निर्वाचित निकाय के सदस्य की किसी भी याचिका का स्वागत है। हर भारतीय नागरिक से अदालत का दरवाजा खटखटाने का अधिकार है। हम उनकी चिंताओं को सुनेंगे और कानून के तहत जो भी उचित होगा, वह करेंगे। सुप्रीम कोर्ट से स्थिति स्पष्ट होने के बाद इंडिया गठबंधन के दलों के पास अपनी मांगों को लेकर रास्ती प्रक्रिया अपनाने का एक ही रास्ता बचा था, वह था रिट याचिका के जरिए न्याय का तकाजा। इंडिया गठबंधन के

कभी आत्मदैन्य से मुक्त हो सकेंगे हम



प्रो. संजय
कोई भी राष्ट्र जिस स्थिति में होता है, उसके लिए वह खुद जिम्मेदार होता है। जापानी जैसे हैं ,उनका देश वैसा ही है। इसी तरह की बात इजरायल, चीन और ईरान या किसी भी देश के बारे में हो सकती है। भारत भी वैसा ही है, जैसे हम हैं! ऐसे में कभी विदेशी आक्रांताओं,कभी मैकाले और कभी अपनी आजादी के बाद सत्ता में आए नायकों को कोसते हुए हम अपने कर्तव्यबोध से मुक्त हो जाते हैं। कोई भी राष्ट्र अपने नागरिकों की सामूहिक चेतना के आधार पर विकसित होता है। उसका इतिहासबोध, संस्कृतिबोि, मित्रबोध और शत्रुबोध मिलकर उसका निर्माण करते हैं। इनसे ही राष्ट्रीय मानस या राष्ट्रीय भाव बनता है। लंबे समय की गुलामी ने हमें

आत्मदैन्य और आत्महीनता की ओर ढकेल दिया। भारतीय समाज के अपने पारंपरिक मूल्यों को छोड़कर हम शासक वर्गों द्वारा थोपी जा रही संस्कृति का अनुगमन करने लगे। हमें लगा हमारे अंग्रेज शासक, उनकी भाषा, पहनावा और उनकी संस्कृति–पंथ सबकुछ हमसे बेहतर है। उनके अनुयायी बनकर ही हमारी मुक्ति है। तत्कालीन समाज के श्रेष्ठ जन भी ब्रिटिश शासन में अंग्रेजी शिक्षा प्राप्त कर भारत लौटते थे और खुद को आधा–अधूरा अंग्रेज साबित करने में जुट जाते थे। ऐसे में शेष समाज अपने श्रेष्ठ वर्ग का आचरण देख वैसा ही बनने का प्रयास करने लगा। देश में तमाम सर, रायबहादुर और साहेब बहादुर हमारे आदर्श बन गए। स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक, महर्षि अरविन्द, महर्षि दयानंद,

महात्मा गांधी, भारतेंदु हरिश्चंद्र, जयशंकर प्रसाद, बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय,रवीन्द्र नाथ टैगोर के बहुत गहरे भारतबोध की प्रज्ञा ने हमें संभाला ,वरना हमारी दास्तां भी न होती दस्तांतों में। हमारी हस्ती मिटने से कोई रोक नहीं सकता था। औसत भारतीय का आचरण अंग्रे जी शासनकाल में कैसा था, कहने की जरूरत नहीं है। हम कोहिन्द् को छोड़कर कांच की ओर दौड़ रहे थे। अंग्रेजी भाषा और संस्कृति श्रेष्ठता की परिचायक बन गई। जब तक अपना कोई व्यक्ति या कार्य पश्चिम में स्थापित न हो जाए, उसे हम श्रेष्ठ मानने को तैयार नहीं थे। अंग्रेजी शासन और उसके बाद के आजादी के साल भी आत्मगौरव के अभाव में गुजरे साल बनकर रह गए। सत्ता के आतंक और सत्ता से जुड़े रहने के आकर्षण से हमने अपने जीवन मूल्यों का सनातन सिद्ध राजमार्ग छोड़कर अंग्रेजियत की पमांडडियों पर चलना प्रारंभ कर दिया, जो हमारा देखा–परखा रास्ता नहीं था। जाहिर है इस मार्ग पर हम नेतृत्वकर्ता नहीं, अनुगामी ही बन सकते थे। हमारे एकत्व को चोटिल करने के संवेतन प्रयास प्रारंभ हुए। भारतीय शिक्षा पद्धति को अंग्रेजी राज में कैसे नष्ट किया गया, इसे धर्मपाल जी को पढ़कर ही समझ में आएगा। श्वस्व

के स्थान पर श्परकीयश् विचारों की स्थापना के प्रयास खूब चले। हम एक श्प्राष्ट्र नहीं हैं, बताया गया। अनेक स्थानीयताओं को राष्ट्रीयता के बरखस स्थापित करने के अकादमिक प्रयास भी खूब चले, सफल भी हुए। कैसे और कितने विभाजन गढ़े जा सकते हैं, सारा जोर इसी पर था। भारतीय ज्ञान परंपरा पर चल रहे लोगों के आत्मविश्वास को समाप्त कर इस पूरे विचार को ही पांगापंथ और पिछड़ेपन के रूप में आरोपित किया जाना फैशन बन गया। राजनीतिक परिवर्तन के कारण लंबे समय के बाद भारत फिर से खुद को खोज रहा है। अपनी जड़ों की तरफ वापसी करना चाहता है। जिसे श्विचारों की घर वापसीी कहकर संबोधित किया गया। जरूरी है कि भारत प्रेमी बौद्धिक वर्ग सत्य के सूर्य की स्थापना करने के लिए अध्यवसाय में जुट जाए। सिर्फ भाषानात्मक प्रवचनों, कार्यक्रमों से आगे बढ़कर भ्रमों के निवारण का जतन करे। ऐसे कुशल बौद्धिक योद्धा ही अपनी ज्ञान परंपरा को सामने लाकर तथ्य, प्रमाणों के साथ उनकी युगानुगत लोक व्याख्या करेंगे। इसके लिए हमें लोकसंग्रही और विनम्र बनना पहली शर्त है। परंपरा,जीवन पद्धति और परिवार पर छाए संकटों के बीच ये प्रयत्न ही हमें आत्मशक्ति देंगे।

दुनिया भर में चल रहे सम्यतागत संघर्ष के बीच भारत को अपनी वृहत्तर भूमिका का निर्वहन करना है, क्योंकि हमारे पास दुनिया को देने के लिए समावेशी विचार हैं। जहां साझापन में सौंदर्य की तरह है, विविधता और बहुलता का यहां उत्सव मनाया जाता है। हम पूजा में भी अनेक देवताओं की पूजा करते हैं। बहुलतावादी समाज को कारण हमने मतभिन्नता का सदैव स्वागत किया। इसका उदाहरण हमारी श्शास्त्रार्थ परंपरा है। इसलिए हमारे लिए निकट नहीं हैं। सब समान रूप से इस धरती मां की संतानें हैं। ऐसे में भारत केंद्रित विमर्श ही विश्व शांति का मार्ग है। श्वस्त्वश् ही मार्ग है, जिस पर चलने के लिए हमें महात्मा गांधी, धर्मपाल, सीताराम गोयल, दीनदयाल उपाध्याय, वासुदेव शरण अग्रवाल, निर्मल वर्मा, लाकर तथ्य, प्रमाणों के साथ उनकी युगानुगत लोक व्याख्या करेंगे। इसके लिए हमें लोकसंग्रही और विनम्र बनना पहली शर्त है। परंपरा,जीवन पद्धति और परिवार पर छाए संकटों के बीच खंडन करते हुए हम सही विमर्श की

स्थापना में सफल हो पाएंगे। भारतीय उदात्त जीवन मूल्यों के आधार पर संपूर्ण विश्व के लिए हमें ही वैश्विक बौद्धिक नेतृत्व देना होगा। जिसकी एक झलक हमें स्वामी साझापन में दिखती है। ऐसे में ‘स्वबोध’ का जागरण ही विकल्प है। पहले हमारे अपने विचार को भारत तो स्वीकार करे। वह आत्मदैन्य से मुक्त होकर भारत को भारत (इंडिया नहीं) की नजर से देखना प्रारंभ करे। वैचारिक साम्राज्यवाद से मुक्ति के लिए कई स्तरों पर कार्य करने की आवश्यकता है। इसे इस तरह से समझिए कि गोरा बनाना और अंग्रेजी सिखाना आज भी हिंदुस्तान में दो सबसे बड़े व्यापार हैं। यही उपनिवेशवादी मानसिकता है। इसके चलते ही हमारे गांव उजड़ते चले गए और संयुक्त परिवार बिखर गए। आज एकल परिवारों के नाते अलग तरह के सामाजिक–सांस्कृतिक संकट हमारे सामने हैं। जाति, भाषा, क्षेत्र,पंथ की लड़ाइयों को छोड़कर भी बहुत सही विभाजनकारी बातें हर दिन आज भी खोजी जाती हैं , फिर आख्यान (नरेटिव) गढ़ते जाते हैं। भारत जिसे हमें ही आगे आना होगा। क्योंकि भारत का नष्ट होना, उस विचार का मिट जाना होगा।

पुलिस स्मृति दिवस पर जौनपुर पुलिस ने शहीद जवानों को दी श्रद्धांजलि

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। यूपी के जौनपुर में पुलिस स्मृति दिवस के अवसर पर बुधवार को पुलिस लाइन जौनपुर में कर्तव्य निर्वहन के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले शहीद पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की स्मृति में परेड आयोजित की गई। इस दौरान पुलिसकर्मियों ने वीर शहीदों को नमन



करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने अपने संबोधन में बीते एक वर्ष के दौरान कर्तव्य पालन करते हुए शहीद हुए पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के साहस, समर्पण और बलिदान को याद किया। उन्होंने उनकी शौर्यगाथा का उल्लेख करते हुए कर्तव्य के प्रति उनकी निष्ठा को प्रेरणादायक बताया। इसके बाद एसपी डॉ. यशवीर सिंह ने अपर पुलिस अधीक्षक नगर चंद्रशेखर एवं ग्रामीण आतिश कुमार सिंह सभी सर्किल के क्षेत्राधिकारियों, प्रतिसार निरीक्षक रिजर्व पुलिस लाइन और उपरि्थत पुलिसकर्मियों के साथ ‘पावन स्मृति पुस्तिका’ का पाठ किया। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर शहीद पुलिसकर्मियों को श्रद्धांजलि दी और पुष्पचक्र अर्पित कर उनके सर्वोच्च बलिदान को नमन किया। पुलिस स्मृति दिवस पर आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से देश और समाज की सुरक्षा के लिए अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों के योगदान को याद किया गया।

आशा कार्यकर्ताओं ने न्यूनतम मानदेय और राज्य कर्मचारी दर्जे की मांग की

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। सीएमओ कार्यालय पर बुधवार को आशा एवं आशा संगिनी कर्मचारियों ने प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष निर्मला शर्मा के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने न्यूनतम मानदेय और राज्य कर्मचारी का दर्जा देने की मांग को लेकर सीएमओ डॉ. गंगाराम गौतम को एक पत्र सौंपा। निर्मला शर्मा ने बताया कि आशा कार्यकर्ताएं स्वास्थ्य योजनाओं को गांवों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाती हैं, पर उन्हें सम्मानजनक आर्थिक सुरक्षा नहीं मिलती। उनकी मुख्य मांग है कि मानदेय कम से कम 18,000 रुपये तय किया जाए। उन्होंने आयुष्मान कार्ड, १५ और १८८ का लाभ देने की भी मांग की। कार्यकर्ताओं ने कहा कि मुगतान हर महीने की 5 तारीख तक सीधे े बैंक खाते में आना चाहिए। पुराने मोबाइल की जगह नया 5८८ स्मार्टफोन भी उपलब्ध कराया जाए। संगठन ने यह भी मांग की कि प्रशिक्षित आशाएं आशा संगिनी को एएनएम के खाली पदों पर तुरंत नियुक्त किया जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर २6 अक्टूबर 2026 तक मांगों पर घोषणा नहीं हुई, तो कार्य बहिष्कार जारी रहेगा।

किसान दिवस कलेक्ट्रेट परिसर में मनाया गया

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। भारतीय किसान यूनियन के नेतृत्व में बुधवार को किसान दिवस मनाया गया। कलेक्ट्रेट परिसर में डीएम की अध्यक्षता में हुए इस आयोजन में किसानों ने अपनी 14 प्रमुख समस्याएं रखीं। जलाध्यक्ष शैलेश वर्मा ने बताया कि छुट्टा पशु फसलों को बर्बाद कर रहे हैं, इन्हें रोका जाए। धान खरीद केंद्र समय पर खुलें और खाद उचित मूल्य पर मिले, दुकानों पर रेट बोर्ड भी लगाए जाएं। किसानों ने सिंचाई के लिए बिजली कटौती बंद करने, रात में 12 घंटे बिजली देने और मनमाने बिल ठीक करने की मांग की। जौनपुर में चीनी मिल लगाने और सभी पशुओं का टीकाकरण कराने की बात भी रखी। भू-माफिया से सरकारी जमीन खाली कराने, खराब ग्रामीण सड़कों का निर्माण, न्याय पंचायत स्तर पर मिट्टी जांच केंद्र खोलने और किसानों को परेशान करने वालों पर रोक लगाने जैसी अन्य मांगें भी ज्ञापन में शामिल थीं।

वाराणसी खंड स्नातक एवं खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव के करण 22 23 को सभी न्यायालय बंद

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के वाराणसी खंड स्नातक एवं खंड शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के चुनाव को देखते हुए जौनपुर कलेक्ट्रेट के सभी न्यायालय कक्ष 22 और 23 अक्टूबर को वादकारियों के लिए बंद रहेंगे। इन कक्षों को निर्वाचन के लिए मतदेय स्थल बनाया गया है। इसके साथ ही दोनों दिन कलेक्ट्रेट परिसर में सभी प्रकार के वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने बताया कि विधान परिषद निर्वाचन के लिए 23 अक्टूबर को मतदान निष्ारित है। मतदान को सकुशल, निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए 22 अक्टूबर को मतदान पार्टियां कलेक्ट्रेट स्थित न्यायालय कक्षों में पहुंचेंगी। उनके रात्रि विश्राम की व्यवस्था भी वहीं की गई है। निर्वाचन संबंधी तैयारियों के मद्देनजर 22 एवं 23 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट के समस्त न्यायालय वादकारियों के लिए बंद रहेंगे। इसके अतिरिक्त सुरक्षा एवं निर्वाचन व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए इन दोनों तिथियों में कलेक्ट्रेट परिसर में किसी भी प्रकार के वाहन के प्रवेश की अनुमति नहीं होगी।

लोहिया संस्थान ने पुलिस को सौंपी सीसीटीवी फुटेज मरीज को लेकर आए ईएमटी से हुई थी मारपीट

लखनऊ, (संवाददाता)। लोहिया संस्थान में सरकारी एंबुलेंस के चालक व ईएमटी को दलालों के जरिये पिटकर जख्मी किए जाने के मामले में संस्थान प्रशासन सख्त हो गया है। संस्थान ने घटना के वक्त की फुटेज निकालकर पुलिस को सौंपी है। वहीं दलालों के खिलाफ सख्त व ईएमटी को दलालों के जरिये पिटकर जख्मी किए जाने के मामले में संस्थान प्रशासन सख्त हो गया है। संस्थान ने घटना के वक्त की

अर्श सिटी रेजिडेंट्स वेलफेयर सोसाइटी ने लिया संकल्प अब होगी बुराई पर अच्छाई की जीत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ।विगत वर्षों की तरह इस बार भी अर्श सिटी के लोगों ने मिलकर रावण का पुतला तैयार किया और उसको आज रात 9:00 बजे दहन किया, अभी 4 दिन पहले हुए माता की चौकी में समिति के लोगों ने आपस में बातचीत की और कहा कि रावण का पुतला तैयार करने वाले कुछ लोग बाहर जा रहे हैं इसलिए इस कार्यक्रम को स्थापित किया जाता है इस पर अर्श सिटी के निवासी अभिषेक गुप्ता एवं उनके अन्य साथियों ने लोगों से आग्रह किया कि प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी रावण दहन किया जाना चाहिए उसका पुतला भले ही छोटा हो लेकिन कांठ होना चाहिए, इस बात को लेकर सभी लोगों ने सहमति जताई और रावण के पुतला को तैयार करने में जितेंद्र कुमार, सोमदत्त, अजय सैनी, सागर सैनी, सूर्या, हर्षित, लड्डू अभिनव गुप्ता (पारुल), अंकुल गुप्ता (गोल्) ने आपसी

अमरावती मिडटाउन - सोल्ड आउट प्रोजेक्ट में अब समय से पहले पजेशन का मौका

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ।लखनऊ का शहीद पथ बीते कुछ वर्षों में शहर के तेजी से विकसित हो रहे इलाकों में शामिल हुआ है। बेहतर कनेक्टिविटी, स्वास्थ्य सेवाओं, खरीदारी और कारोबार से जुड़ी सुविधाओं ने इस क्षेत्र को घर खरीदने वालों के लिए एक महत्वपूर्ण लोकेशन बना दिया है। इकाना स्टेडियम, फीनिक्स प्लासियो और लुलु मॉल जैसी जगहें इस इलाके की पहचान बन चुकी हैं। वहीं, मेदांता, अपोलो और कैंसर इंस्टीट्यूट जैसी स्वास्थ्य सुविधाओं से आसपास के क्षेत्र में लोगों को कई ऑप्शन मिलते हैं। इसी डेवलप होते एरिया में गोमती नगर एक्सटेंशन स्थित अमरावती मिडटाउन ने अपने आवासीय प्रोजेक्ट के जरिए घर खरीदने वालों के बीच जगह बनाई है। फरवरी 2023 में लॉन्च हुई यह प्रीमियम गेटेड रेजिडेंशियल टाउनशिप अब सोल्ड आउट हो चुकी है। प्रोजेक्ट में फरवरी 2028 तक पजेशन की तय समयसीमा के बीच अब समय से पहले पजेशन की पेशकश की जा रही है। यह उन खरीदारों के लिए अहम है, जो अपने घर का निर्माण शुरू करने और उसे अपनी जरूरतों के अनुसार तैयार करने की योजना बना रहे हैं। एरीर ९ एकड़ में फैले अमरावती मिडटाउन को इस तरह डेवलप किया गया है कि यहां मॉडर्न रेजिडेंशियल जरूरतों के साथ हरियाली, खुलेपन और सुरक्षित माहौल को भी महत्व मिले। टाउनशिप में लैंडस्केप गार्डन, चौड़ी सड़कें और 24 घंटे सुरक्षा की व्यवस्था की गई है। सीमित क्षेत्र में व्यवस्थित

फैजुल्लागंज में बाढ़ का पानी उतरा.. . नजर आए सड़कों के जरतम

लखनऊ, (संवाददाता)। फैजुल्लागंज में बाढ़ का पानी उतरने के बाद अब बदहाली की तस्वीर



सामने आने लगी है। कहीं सड़कें उखड़ गई हैं तो कहीं गहरे गड्ढे राहगीरों की मुश्किल बढ़ा रहे हैं। बिजली के खंभों को भी नुकसान पहुंचा है। घरों से पानी निकलने के बावजूद कई कॉलोनियों की गलियों में अभी थोड़ा पानी भरा हुआ है। ऐसे

रतन को दिल की गंभीर बीमारी है। स्थानीय डॉक्टरों ने मरीज को केजीएमयू लारी कॉडियोलॉजी में दिखाने की सलाह दी। शनिवार सुबह करीब छह बजे 108 एम्बुलेंस से परिवारीजन मरीज को लेकर



सहयोग से 2 दिन के अंदर पुतला तैयार कर दिया, रावण दहन के समय अर्श सिटी और केशवपुरम दोनों जगह के कई लोग उपस्थित रहे सभी ने कहा हम सभी लोग यह सुनिश्चित करते हैं कि हमारे क्षेत्र में किसी भी तबले के लोग हैं हम उनको अपने साथ लेकर चलेंगे



रिहायशी माहौल तैयार करने पर ६ यान दिया गया है, ताकि परिवारों को शहर की सुविधाओं के करीब रहते हुए अपने घर और आसपास के वातावरण का बेहतर अनुभव मिल सके। अमरावती ग्रुप के फाउन्डर एवम चेयरमैन रजनी कांत मिश्रा ने बताया कि इस प्रोजेक्ट की एक खास बात यह है कि यहां ज्यादातर रेजिडेंशियल प्लॉट दो तरफ से खुले हैं। इससे घर के डिजाइन की र्छेनिंग में ज्यादा फ्लेक्सिबिलिटी मिलती है। साथ ही, नैचुरल रोशनी मिलती है और घर हवादार रहता है। अपने घर को परिवार की जरूरतों और पर्सद के अनुसार डिजाइन करने वालों के लिए यह एक बड़ी खासियत है। अमरावती मिडटाउन में हरियाली और खुले स्थानों को भी खास महत्व दिया गया है। लैंडस्केप गार्डन और व्यवस्थित आंतरिक सड़कें टाउनशिप के माहौल को बेहतर बनाती हैं। गेटेड कैम्पस और चौड़ी सड़कों की योजना

के साथ यहां ऐसा रिहायशी वातावरण तैयार करने पर जोर दिया गया है, जहां परिवारों को रोजमर्रा की जिंदगी के लिए सुवि्धाजनक और व्यवस्थित जगह मिल सके। शहीद पथ और गोमती नगर एक्सटेंशन के आसपास बढ़ती शहरी सुविधाएं इस क्षेत्र को रहने के लिहाज से महत्वपूर्ण बनाती हैं। स्वास्थ्य सेवाओं, मॉल, मनोरंजन कुछ जगहों और कारोबार से जुड़े सेंटरस तक पहुंच के साथ यहां रहने वालों को शहर के विभिन्न हिस्सों से जुड़ने के ऑप्शन मिलते हैं। ऐसे में अमरावती मिडटाउन उन लोगों के लिए एक विकल्प है, जो शहरी सुविधाओं के करीब अपना घर बनाना चाहते हैं। अमरावती मिडटाउन का पूरा प्रोजेक्ट सोल्ड आउट हो चुका है। अब खरीदारों को तय समय से पहले अपने प्लॉट का पजेशन लेने की सुविधा दी जा रही है। इससे वे अपने घर के निर्माण की योजना पहले ही शुरू कर सकते हैं।

फैजुल्लागंज में बाढ़ का पानी उतरा.. . नजर आए सड़कों के जरतम

सड़क की सतह उखड़ने से गहरे गड्ढे हो गए हैं। इसकी मरम्मत और दोबारा निर्माण में समय लग सकता है। गणेश विहार की सड़क भी टूट गई है। यहां की कई गलियों में अब भी करीब एक फीट पानी भरा है। लोहरमऊ और मामा कॉलोनी की सड़कों को भी नुकसान पहुंचा है। बाढ़ का पानी घरों से निकल गया है, लेकिन कई इलाकों में रास्ते अब भी डूबे हैं। लोहरमऊ निवासी शम्बीर ने बताया कि उनके घर के सामने की सड़क पर एक फीट से अधिक पानी भरा है। रहमतुन ने बताया कि लोगों को पानी से होकर आना-जाना पड़ रहा है। गणेश विहार और मामा कॉलोनी की कई गलियों में भी जलभराव बना हुआ है। रविवार को भी कई बाढ़ प्रभावित परिवार राशन की जानकारी लेने मामा कॉलोनी-दाउदनगर स्थित कंट्रोल रूम पहुंचे।

इसी दौरान 108 एम्बुलेंस के इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन (ईएमटी) जितेंद्र शर्मा के सीयूजी नंबर पर फोन आया। ईएमटी ने फोन उठाया। तो दूसरी तरफ से आवाज मरीज की डिटेल दो। उसे बाहर लेकर आया।

कड़ी सुरक्षा के बीच संपन्न हुआ मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन, 800 से अधिक प्रतिमाएं विसर्जित

ब्यूरो प्रमुख विश्व प्रकाश श्रीवास्तव जौनपुर। शारदीय नवरात्र के समापन के बाद जिले में मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन मंगलवार देर रात से बुधवार दोपहर तक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच संपन्न हुआ। श्री दुर्गा पूजा महासमिति,जौनपुर के अध्यक्ष मनीष देव मंगल और महासचिव मनीष गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित 48 वां भव्य मां प्रतिमा शोभायात्रा व विसर्जन कार्यक्रम के दौरान शहर से लेकर घाटों तक श्रद्धालुओं की भीड़ रही। दोपहर तक लगभग 800 से अधिक प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया। इस दौरान प्रशासन और पुलिस के अधिकारी लगातार सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी करते रहे। शहर के कोतवाली चौराहा स्थित श्री दुर्गा पूजा महासमिति के केंद्रीय कंट्रोल रूम में मंगलवार रात मुख्य अतिथि राज्यमंत्री गिरीश चंद्र यादव और विशिष्ट अतिथि राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर पहुंचे। दोनों अतिथियों ने मां दुर्गा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर पूजन किया। इसके बाद अहियापुर मोड़ पर विसर्जन के लिए तैयार प्रतिमाओं के समक्ष आरती उतारी। विधिवत पूजन के बाद नारियल फोड़कर हरी झंडी दिखाई और प्रतिमाओं को विसर्जन के लिए शोभायात्रा के रूप में रवाना किया। इस अवसर पर महासमिति के अध् यक्ष मनीष देव मंगल, महासचिव मनीष गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। महासमिति की ओर से अतिथियों का माल्यार्पण कर स्मृति चिह्न देकर सम्मान किया गया।



प्रतिमाओं के विसर्जन को सुरक्षित बनाने के लिए प्रशासन ने विशेष इंतजाम किए थे। सदभावना पुल के पास स्थित विसर्जन घाट पर बनाए गए शक्ति कुंड में दोपहर तक प्रतिमाओं का विसर्जन चलता रहा। सभी प्रमुख घाटों पर पुलिस बल के साथ एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीमें तथा स्थानीय गोताखोर तैनात रहे। विसर्जन कुंड के आसपास भी पर्याप्त पुलिस बल लगाया गया था। महासमिति के विसर्जन नोडल अि अधिकारी लालचंद निषाद के नेतृत्व में सभी प्रतिमाओं का विसर्जन कराया गया।

प्रतिमाओं के मूल्यांकन के लिए पहुंची निर्णायक मंडल की टीम महासमिति की ओर से प्रतिमाओं को पुरस्कार देने के लिए गठित निर्णायक मंडल के सदस्य देवेश गुप्ता,गायत्री जायसवाल, विष्णू सहाय,सीमा चक्रवाल, प्रदीप सिंह, वशिका सिंह, डा. योगेन्द्र सिंह भी कोतवाली चौराहा स्थित कंट्रोल रूम में मौजूद रहे। उन्होंने प्रतिमाओं का आकलन किया। महासमिति के अध् यक्ष मनीष देव मंगल ने विसर्जन के लिए पहुंची प्रतिमाओं के अध्यक्षों का माल्यार्पण कर अंगवस्त्रम एवं मां का

गोरखपुर में शुरू हुई मेदांता मेडिक्लिनिक की सुविधा , विशेषज्ञ डॉक्टर देंगे परामर्श



ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। गोरखपुर और पूर्वांचल के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मेदांता ने गोरखपुर में अपनी मेडिक्लिनिक सुविधा शुरू की है। अब क्षेत्र के लोगों को हृदय रोग, कैंसर, किडनी, लिवर, मस्तिष्क और रीढ़ से जुड़ी गंभीर बीमारियों सहित विभिन्न स्वास्थ्य समस्याओं के लिए विशेषज्ञ डॉक्टरों से अपने शहर में ही परामर्श मिल सकेगा। मेदांता हॉस्पिटल,

बहराइच में अपराधियों और पुलिस की भीषण मुठभेड़, हिस्ट्रीशीटर को लगी गोली

लखनऊ, (संवाददाता)। खैरीघाट इलाके में रविवार देर रात चोरी के आरोपियों और पुलिस की मुठभेड़ हो



गई। जवाबी कार्रवाई में हिस्ट्रीशीटर के सभारी के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसे घायल अवस्था में हिरासत में लेकर अस्पताल पहुंचाया। मौके से उसके तीन साथियों को भी गिरफ्तार किया गया, जबकि दूसरी टीम में सवार दो आरोपी पुलिस

पर फायरिंग करते हुए भाग गए। उनकी तलाश में पुलिस की कई टीमें कांबिंग कर रही हैं। पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव के मुताबिक, रविवार की रात 12 बजे क्राइम ब्रांच की स्क्वाट टीम और खैरीघाट पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि नानपाड़ा-खैरीघाट रोड पर वैवाही मार्ग के पास कुछ संदिग्ध चोरी का सामान बेचने या

सीएचओ की हड़ताल के बीच लिया गया बड़ा फैसला, आयुष्मान आरोग्य मंदिरों की जिम्मेदारी संभालेंगी एएनएम

लखनऊ, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में उपकेंद्र स्तर पर संचालित आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के संचालन की जिम्मेदारी अब एएनएम संभालेंगी। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की मिशन निदेशक डॉ. पिकी जोषेल ने इस संबंध में आदेश जारी कर सभी जिलाधिकारियों (डीएम) और मुख्य चिकित्सा अधिकाारियों (सीएमओ) को दिशा-निर्देश दिए हैं। प्रदेश में करीब 29 हजार आयुष्मान आरोग्य मंदिर हैं, जिनमें लगभग 23 हजार उपकेंद्र स्तर पर संचालित होते हैं।

पूर्व सांसद,नगर विधायक,मेयर,डीएम,एसएसपी व अन्य लोगों ने हरी झंडी दिखाकर जीआईसी से शोभायात्रा को किया खाना



(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या |केंद्रीय दुर्गापूजा एवं रामलीला समन्वय समिति के तत्वाव्ान में मां दुर्गा की विसर्जन शोभायात्रा मंगलवार 10 बजे राजकीय इंटर कॉलेज (जीआईसी) मैदान से निकाली गई |इस मौके पर पूर्व सांसद लल्लू सिंह, महापौर गिरीशपति त्रिपाठी, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता व रामचंद्र यादव, जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी और वरिष्ठ पुलिस

अधीक्षक गौरव ग्रोवर सहित अन्य अतिथियों ने हरी झंडी दिखाकर शोभायात्रा का शुभारंभ किया। शोभायात्रा जीआईसी मैदान से शुरू कर फतेहगंज चौराहा,मोतीबाग,चौक घंटाघर, रिकाबगंज चौराहा, रिकाबगंज हनुमानगढी, रोडवेज,सिविल लाइन होते हुए श्रीभगवान जायसवाल घाट (निर्मली कुंड) स्थित विसर्जन स्थल पहुंची |केंद्रीय समिति के प्रवक्ता के अनुसार, शोभायात्रा दोपहर करीब

बीच–बचाव करना पड़ा भारी, युवक को मारी गोली



सुलतानपुर | थाना क्षेत्र के मड़हा बजे मड़हा गांव निवासी राममिलन वर्मा और अभिनव यादव के बीच गांव के बाहर पक्की सड़क पर कहासुनी हो रही थी। शोर सुनकर माधवपुरा आचार्य गांव निवासी प्रमुनाथ निषाद मौके पर पहुंचे। आरोप है कि वहां राममिलन वर्मा, उनके भाई दिनेश वर्मा और पुत्र सुशील वर्मा की अभिनव यादव से कहासुनी के बाद मारपीट रफेर कर दिया। घटना के बाद गांव में तनाव का माहौल बन गया।

विवाद सुलझाने पहुंचे थे प्रमुनाथ, खुद बन गए निशाना

पुलिस को दी गई तहरीर के

बल्दीराय में आरएसएस का भव्य पथ संचलन, कदमताल करते निकले स्वयंसेवक

सुलतानपुर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की ओर से विजय दशमी उत्सव एवं पथ संचलन का आयोजन किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने अनुशासित कदमताल के साथ कस्बे के प्रमुख मार्गों से संचलन कर राष्ट्रभक्ति, एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। स्वयंसेवकों के अनुशासन और उत्साह ने कार्यक्रम को आकर्षक बना दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ बल्दीराय स्थित प्राचीन शिव मंदिर से हुआ। यहां से स्वयंसेवकों का पथ संचलन सागर चौराहा, नहर चौराहा, तहसील मोड़ सहित कस्बे के विभिन्न प्रमुख मार्गों से होकर गुजरा। इसके बाद संचलन पुनः

प्राचीन शिव मंदिर पहुंचकर संपन्न हुआ। पूरे कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों में उत्साह और अनुशासन देखने को मिला। विजय दशमी उत्सव में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला संचचालक डॉ. अवधेश त्रिपाठी मुख्य वक्ता के रूप में मौजूद रहे। उन्होंने अपने संबोधन में देश की सुरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए राष्ट्र के प्रति नागरिकों के कर्तव्यों और सजगता की आवश्यकता बताई। उन्होर्ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने तथा समाज में एकता और संगठन की भावना मजबूत करने का संदेश दिया। कार्यक्रम में खंड संचचालक अंबिका प्रसाद मिश्रा, खंड कार्यवाह

एक बजे चौक घंटाघर पहुंची। यहां जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिाकारियों और सामाजिक संगठनों ने मां दुर्गा की प्रतिमाओं पर पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। मार्ग में फतेहगंज, मोतीबाग, चौक, रिकाबगंज और अन्य प्रमुख स्थानों पर श्रद्धालुओं ने शोाभायात्रा का स्वागत किया |शोभायात्रा में सबसे पहले श्री श्री दुर्गापूजा समिति, मिर्जापुर माफी की प्रतिमा विसर्जन स्थल पहुंची और उसका विसर्जन किया गया। इसके बाद अन्य प्रतिमाओं का विसर्जन निर्धारित क्रम से जारी रहा। विसर्जन स्थल पर श्रद्धालुओं के लिए भंडारे के प्रसाद की व्यवस्था भी की गई |मां दुर्गा की प्रतिमाओं के विसर्जन की प्रक्रिया बुधवार, 21 अक्टूबर की सुबह आठ बजे तक जारी रही। विसर्जन संपन्न होने पर केंद्रीय समिति के जिलाध्यक्ष मनोज जायसवाल ने आयोजन को सफल बनाने में प्रशासनिक अधिकारियों, पुलिसकर्मियों, पूजा समितियों के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और श्रद्धालुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

लोगों को वहां से हट जाने की चेतावनी दी गई। इसी बीच आरोप है कि सुशील वर्मा ने प्रमुनाथ निषाद को गोली मार दी। तहरीर में प्रमुनाथ की पत्नी प्रीति ने आरोप लगाया है कि पहली गोली चलने के बाद राममिलन वर्मा ने अपने पुत्र को दोबारा गोली चलाने के लिए उकसाया, जिसके बाद दूसरी गोली भी चलाई गई। फायरिंग की आवाज से मौके पर भगदड़ मच गई। घायल प्रमुनाथ को ग्रामीणों ने एंबुलेंस की मदद से अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर हालत को देखते हुए चिकित्सकों ने लखनऊ रेफर कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस सक्रिय हो गई। थानाप्रभारी ने बताया कि मामले में नामजद आरोपित राममिलन वर्मा और उनके पुत्र सुशील वर्मा को गिरफ्तार कर लिया गया है। पुलिस ने घटनास्थल से लाइसेंसी बंदूक श्री बरामद की है। तीसरे आरोपित की भूमिका को लेकर भी पुलिस जांच कर रही है। गिरफ्तार आरोपितों के विरुद्ध विधेिक कार्रवाई की जा रही है।

छात्रा रागिनी निषाद बनीं एक दिन की एसओ जीआरपी अयोध्या कैंट

जीआरपी थाना के अभिलेखों व स्टेशन परिसर का किया निरीक्षण



अयोध्या |मिशन शक्ति अभियान के तहत जीजीआईसी की कक्षा 12 विज्ञान वर्ग की छात्रा रागिनी निषाद

को एक दिन के लिए जीआरपी अयोध्या कैंट का थानाध्यक्ष बनाया गया |थानाध्यक्ष अभिषेक मिश्रा व पुलिसकर्मियों ने

छुटपुट घटनाओं के बीच सकुशल सम्पन्न हुआ दो दिनों में लगभग 345 मूर्तियों का हुआ विसर्जन

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या |नवरात्रि के 9 दिनों के पूरा अर्चना उपरांत भक्तों ने अपनी माँ को नम आँखों से बिदाई किया |हिन्दू धर्म शास्त्रों की कुछ बातों को लेकर वही विसर्जन कार्यक्रम दो दिनों का रहा जहां भरतकुंड पर विसर्जन को लेकर दो दिनों में भिन्न भिन्न क्षेत्रों से लगभग 345 मूर्तियों का विसर्जन सकुशल सम्पन्न हुआ |वही विसर्जन को लेकर पुलिस प्रशासन के आला अफसर समेत पूरी टीम मौजूद रही |पूरकलंदर थाना क्षेत्र के भरतकुंड में मा की मूर्तियों का विसर्जन बहुत पहले से चली आ रही एक परम्परा बन गई है जिसको लेकर नगर पंचायत भरतकुंड भरदरसा की टीमें सार्थक बनाने के लिए लगातार कई वर्षों से कार्य करती चली आ रही है |वही नगर पंचायत भरतकुंड भरदरसा में मूर्ति विसर्जन एक चुनौती युक्त कार्य भी होता है |पूराकलंदर थाना क्षेत्रों में भिन् भिन्न क्षेत्रों में स्थापित लगभग 230 मूर्तियों के साथ साथ दुसरे थाने क्षेत्रों से आई मूर्तियों का भी विसर्जन होता आ रहा है |वही मंगलवार की दोपहर गाजे बाजे से साथ मां की यात्रा निकली जो बीच

रामलीला में खूनी संघर्ष, सीता बने कलाकार पर ईट से हमला, आंख में गंभीर चोट

बल्दीराय /सुलतानपुर। गांव में रामलीला के मंच पर भागवान श्रीराम के आदर्शों और मर्यादा का मंचन हो रहा था, लेकिन इसी दौरान हुए विवाद ने माहौल को तनावपूर्ण बना दिया। आरोप है कि मारपीट के बीच बीच–बचाव करने पहुंचे सीता का किरदार निभाने वाले कलाकार सोहन लाल पर ईट से हमला कर दिया गया। हमले में उनकी आंख गंभीर रूप से चोटिल हो गई। हालत नाजुक होने पर उन्हें जिला अस्पताल से लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया, जहां उनका उपचार चल रहा है। घटना के बाद रामलीला स्थल पर अफरातफरी मच गई।

भाई से मारपीट की सूचना पर पहुंचे थे कलाकार

मामला धनपतगंज थाना क्षेत्र के पंडरे गांव का है। गांव में रामलीला के साथ मन्दिर पर भंडारा कार्यक्रम था। इसी दौरान किसी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। आरोप

है कि सोहन लाल के भाई सुखराम के साथ मारपीट की गई। भाई के साथ मारपीट की सूचना मिलने पर सोहन लाल मौके पर पहुंचे और विवाद शांत कराने के लिए बीच–बचाव करने लगे। आरोप है कि यदि दौरान हमलावरों ने उन पर ईट से वार कर दिया। ईट आंख में लगने से वह गंभीर रूप से घायल हो गए। अचानक हुई इस घटना से आयोजन स्थल पर हड़कंध मच गया। मौके पर मौजूद लोगों और रामलीला समिति के सदस्यों ने घायल कलाकार को तत्काल अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए चिकित्सकों ने उन्हें लखनऊ मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया। घायल सोहनलाल ने धनपतगंज थाने में तहरीर देकर दिलीप सरोज, सुरजीत सरोज, मौनू यादव और शेर बहादुर सरोज पर घटना में शामिल होने का आरोप लगाया है। पुलिस ने तहरीर

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने का विशेष अभियान 24 अक्टूबर को

सुलतानपुर। इसीली विधानसभा के वर्तमान विधायक एवं पूर्व सांसद जनाब मोहम्मद ताहिर खान के निर्देशानुसार विधानसभा अध्यक्ष स्वामीनाथ यादव ने पार्टी के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की है।

उन्होंने कहा कि 24 अक्टूबर 2026 को सुबह 10 बजे अपने–अपने बूथों पर पहुंचकर पात्र नागरिकों के नाम मतदाता सूची में जुड़वाने और सही ब्लॉक अध्यक्षों, जोन एवं सेक्टर की आयु पूरी करने वाले पात्र युवाओं

तथा जिनके नाम पिछली मतदाता सूची में दर्ज थे, लेकिन एसआईआर प्रक्रिया के बाद दस्तावेजों के अभाव अथवा मैपिंग नहीं हो पाने के कारण सूची से हट गए थे। ऐसे पात्र मतदाताओं के नाम जुड़वाने के लिए फॉर्म–6 के साथ केवल आधार कार्ड की फोटो कॉपी और एक पासपोर्ट साइज फोटो पर्याप्त डॉक्यूमेंट माना जाएगा। वहीं, मतदाता सूची में दर्ज दोहरी प्रविष्टियों को नियमानुसार हटवाने की प्रक्रिया में भी सहयोग किया जाए। विधानसभा अध्यक्ष ने सभी ब्लॉक अध्यक्षों, जोन एवं सेक्टर प्रभारियों, बूथ अध्यक्षों, बीएलए तथा

बुके देकर उनका स्वागत किया |सबसे पहले एसओ रागिनी ने थाने के अभिलेखों के रखरखाव का निरीक्षण किया |इसके बाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म के साथ साथ यात्री प्रतीक्षालय,आरक्षण केंद्र और टैक्सी स्टैंड की व्यवस्थाएं देखीं |उन्होंने बताया कि मिशन शक्ति अभियान के जरिए हम जैसे छात्राओं को विभिन्न विभागों की कार्यप्रणाली समझने का अवसर मिल रहा है |इससे हमें प्रशासनिक व्यवस्था और जिम्मेदारियों की व्यावहारिक जानकारी मिलती है |इस मौके पर जीजीआईसी की शिक्षिका व मिशन शक्ति की नोडल अधिकारी अनिता कनौजिया, उपनिरीक्षक अजय वर्मा, हेड कांस्टेबल मनजीत, उमा यादव, कंस्टेबल प्रशांत प्रचंड सहित अन्य पुलिस कर्मी मौजूद रहे।

दिया और शांति का माहौल बनाकर विसर्जन सम्पन्न कराया |मूर्तियों को लेकर आए भक्तों ने मां की मूर्ति का पूजन अर्चन का अंतिम नम आँखों से बिदाई की और वही क्षेत्र मानव कल्याण जनकल्याण में शांति की कामना की और मां की प्रतिमाओं का विसर्जन किया |दुर्गा विसर्जन के समय राजस्व टीमां में उपजिलाधिाकारी आदित्य विक्रम अग्रवाल एवं तहसीलदार प्रदीप सिंह के साथ साथ लेखपाल शैलेंद्र दुबे ,आकाश सिंह, योगेश सिंह ,सुशील कुमार मौजूद रहे तो पुलिस विभाग के पुलिस अधीक्षक चक्रपाणि त्रिपाठी क्षेत्राधिकारी अयोध्या आशुतोष तिवारी,थाना प्रभारी अश्वनी पांडेय ,पूर्व चौकी इंचार्ज कमलेश साहनी ,मौजूदा चौकी इंचार्ज भरदरसा विजय तिवारी ,दरोगा शशांक पाठक ,सिपाही संदीप कुमार ,मंजेश समेत दल बल पूरी टीम लगी रही |पूराकलंदर थाना प्रभारी अश्वनी पांडेय ने बताया मूर्तियों का सकुशल विसर्जन करा दिया गया है अब कुछ सामान्य रहा है पुलिस टीमें इस कार्य को लेकर काफी एक्टिव रही पल पल के कार्यों पर नजर बनी रही सब कुछ शांति से निपट गया।

गमगीन माहौल में डॉ अमित तिवारी की मां पंचतत्व में विलीन

अयोध्या |डॉ.अमित तिवारी की माता एवं सेवानिवृत्त डिप्टी एसपी बीएम तिवारी की पत्नी चंद्रकला तिवारी (58) के असामयिक निधन से परिवार और परिचितों में शोक की लहर दौड़ गई |बुधवार को उनके निधन की खबर से शुमंचितकों में गम का माहौल छा गया |बुधवार शाम अयोध्या धाम में सरयू नदी के तट पर गमगीन माहौल में उनका अंतिम संस्कार किया गया। पति बीएम तिवारी ने नम आंखों से पत्नी की वित्ता को मुखाग्नि दी। इस दौरान परिजनों, मित्रों और शुभचिंतकों ने नम आंखों से उन्हें अंतिम विदाई दी |अंतिम संस्कार में रवि प्रकाश तिवारी, डॉ. एसबी सिंह, अभिनव, सचिन, सौरभ, संवित, सन्मय, डॉ. अजय तिवारी, डॉ. तपन चौधरी, डॉ. कृ तांत, डॉ. गौरव श्रीवास्तव, पंडित ऋषि प्रसाद, डॉ. मनोज सैनी और राजेश श्रीवास्तव सहित शहर के अनेक चिकित्सक, समाजसेवी एवं गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी ने शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

विसर्जन से लौटते वक्त डीजे गाड़ी से गिरकर युवक की मौत

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। मूर्ति विसर्जन कर घर लौटते समय हुए हादसे में एक व्यक्ति की दर्दनाक मौत हो गई |घटना हैदरगंज कोतवाली क्षेत्र के पलटूवीर विसर्जन स्थल की है |बताया जाता है कि बीकापुर कोतवाली क्षेत्र सहावा गांव निवासी 45 वर्षीय धनीराम निषाद विसर्जन के बाद डीजे की गाड़ी पर बैठकर वापस आ रहे थे |इसी दौरान अचानक फिसलकर वह नीचे गिर गए,जिससे उन्हें गंभीर चोटें आई |स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायल को आनन–फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बीकापुर में भर्ती कराया,जहां इमरजेंसी में तैनात डॉ. अंशुमान यादव ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया |हादसे की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

गोसाईगंज में दो घाटों पर होगा मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन ,सुरक्षा व्यवस्था सख्त

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या |गोसाईगंज थाना क्षेत्र में गुरुवार को कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाएगा |इसके लिए दिलासीगंज और श्रृंगार ऋषि घाट को निर्धारित किया गया है |विसर्जन के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन सतर्क है |इसी क्रम में बुधवार शाम मिशन शक्ति प्रभाी एवं



गोसाईगंज थाने की महिला उपनिरीक्षक चेतना पांडेय ने राजस्व टीम के कर्मचारियों के साथ दोनों घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने विसर्जन की तैयारियों का जायजा लेने के साथ सुरक्षा व्यवस्था को लेकर आवश्यक जानकारी जुटाई |इस संबंध मे महिला उप निरीक्षक चेतना पांडेय ने बताया कि उच्चाधिकारियों के निर्देश पर दुर्गा पूजा समितियों के पदाधिाकारियों से वार्ता की गई है |उन्हें स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि विसर्जन शोभायात्रा में किसी भी अराजक तत्व को शामिल न होने दें, जिससे शांति व्यवस्था प्रभावित हो। उन्होंने कहा कि विसर्जन के दौरान विशेष सतर्कता बरती जा रही है,वहां पर पर्याप्त संख्या में गोताखोर भी तैनात रहेंगे |ताकि मां दुर्गा की प्रतिमाओं का विसर्जन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया जा सके।

दुर्गा पूजा महोत्सव में व्यापार मंच ने लगाया सेवा एवं सहायता शिविर

सुलतानपुर। ऐतिहासिक दुर्गा पूजा महोत्सव के अवसर पर कार्डसिल ऑफ उद्योग व्यापार मंच सुलतानपुर द्वारा चौक घंटाघर पर लगाए गए सेवा एवं सहायता शिविर का शुभारंभ मंगलवार देर शाम उत्तर प्रदेश राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के सदस्य सत्येंद्र बारी ने किया। शिविर का उद्देश्य श्रद्धालुओं एवं व्यापारियों की सेवा, सुरक्षा तथा जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित कर बेहतर व्यवस्था में सहयोग करना है।

कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष कुलदीप गुप्ता ने मुख्य अतिथि को अंगवस्त्र एवं स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने व्यापारियों के लिए ६15 लाख के निःशुल्क स्वास्थ्य बीमा की मांग उठाई। मुख्य अतिथि सत्येंद्र बारी ने व्यापारियों को हर संभव सहयोग का आश्वासन देते हुए बताया कि उन्होंने व्यापारियों की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए मुख्यमंत्री से व्यापारी सुरक्षा आयोग के गठन का अनुरोध किया है। उन्होंने कहा कि व्यापारी समाज समृद्ध होगा, तभी देश समृद्ध होगा। मंच के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष बलदेव सिंह ने महोत्सव में कार्यकर्ताओं के सेवा–समर्पण की सराहना की। कार्यक्रम में गोमती मित्र मंडल के अध्यक्ष मदन सिंह, डॉ. राजीव श्रीवास्तव, मंडल प्रभारी अशोक कसौधन, प्रवीण अग्रवाल, जिला महामंत्री राजेश माहेश्वरी, अश्वनी वर्मा, रवि सोनी, प्रवीण पाठक सहित अनेक पदाधिकारी, व्यापारी एवं समाजसेवी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन प्रवीण पाठक ने किया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक	देश की उपासना
स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।	
सम्पादक	
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव	
मो0 – 7007415808, 9415034002	
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com	
समाचार–पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।	